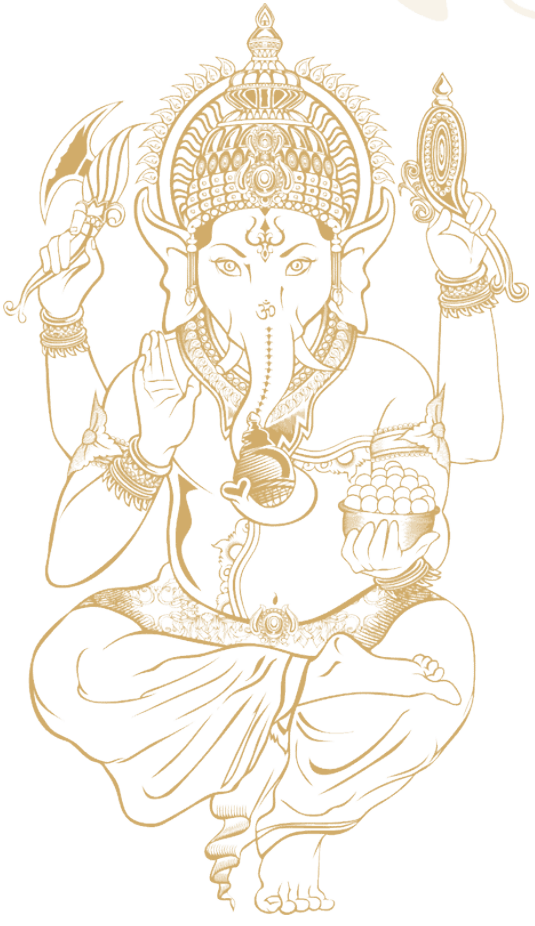

Raksha

30 Jul 1998

10:45 PM

Hindaun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121608602

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/07/1998**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**22:45:00 घंटे**
इष्ट	42:29:07 घटी
स्थान	**Hindaun**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:44:00 उत्तर
रेखांश	77:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:23:08 घंटे
वेलान्तर	-00:06:26 घंटे
साम्पातिक काल	18:55:41 घंटे
सूर्योदय	05:45:21 घंटे
सूर्यास्त	19:10:48 घंटे
दिनमान	13:25:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	13:30:19 कर्क
लग्न के अंश	25:22:54 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	25:22:54	488:09:40	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			कर्क	13:30:19	00:57:23	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	04:56:03	11:51:28	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
मंगल			मिथु	22:25:21	00:39:32	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
बुध			सिंह	04:25:34	00:01:57	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	03:57:45	00:02:28	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			मिथु	19:32:45	01:12:40	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
शनि			मेष	09:34:08	00:01:40	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु			सिंह	07:51:43	00:00:45	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	07:51:43	00:00:45	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	17:04:26	00:02:23	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	06:45:04	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:32:06	00:00:32	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	18:58:31	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:07

लग्न-चलित

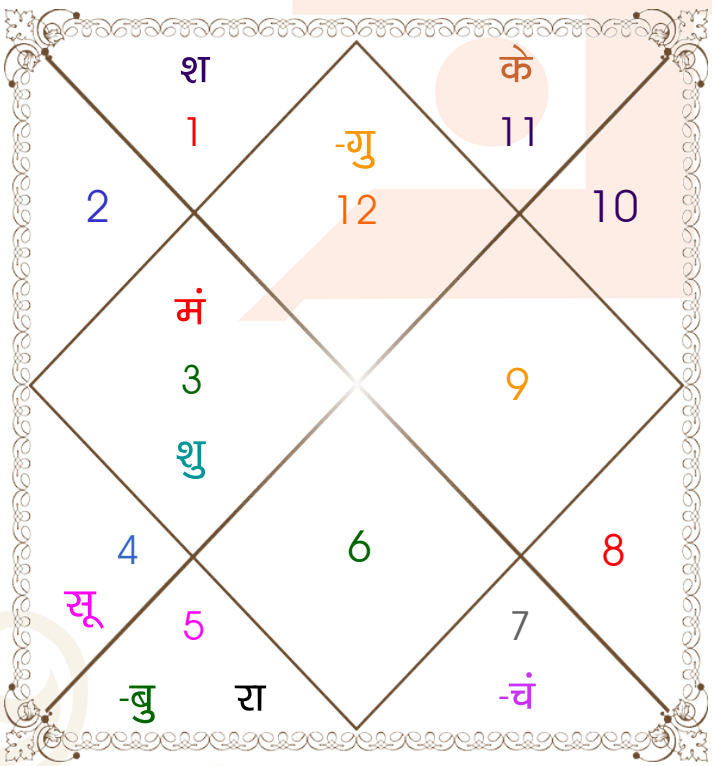

चन्द्र कुंडली

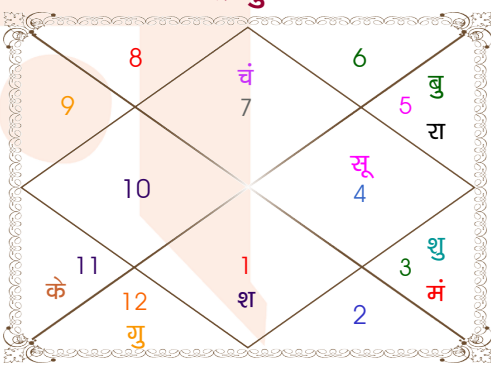

नवमांश कुंडली

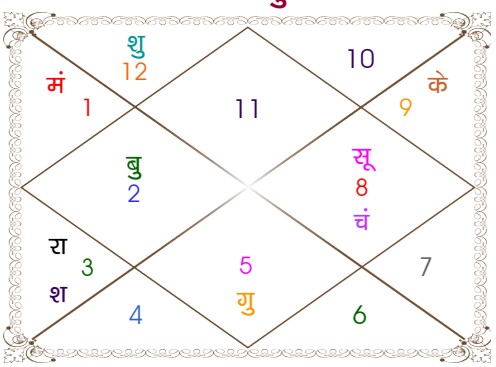

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 10 मास 27 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
30/07/1998		28/06/1999		27/06/2017		27/06/2033		27/06/2052	
28/06/1999		27/06/2017		27/06/2033		27/06/2052		27/06/2069	
	00/00/0000	राहु	10/03/2002	गुरु	15/08/2019	शनि	30/06/2036	बुध	24/11/2054
	00/00/0000	गुरु	02/08/2004	शनि	26/02/2022	बुध	10/03/2039	केतु	21/11/2055
	00/00/0000	शनि	09/06/2007	बुध	03/06/2024	केतु	18/04/2040	शुक्र	21/09/2058
	00/00/0000	बुध	27/12/2009	केतु	09/05/2025	शुक्र	19/06/2043	सूर्य	28/07/2059
	00/00/0000	केतु	14/01/2011	शुक्र	08/01/2028	सूर्य	31/05/2044	चंद्र	27/12/2060
	00/00/0000	शुक्र	14/01/2014	सूर्य	27/10/2028	चंद्र	30/12/2045	मंगल	24/12/2061
	30/07/1998	सूर्य	09/12/2014	चंद्र	26/02/2030	मंगल	08/02/2047	राहु	12/07/2064
सूर्य	27/11/1998	चंद्र	09/06/2016	मंगल	02/02/2031	राहु	15/12/2049	गुरु	18/10/2066
चंद्र	28/06/1999	मंगल	27/06/2017	राहु	27/06/2033	गुरु	27/06/2052	शनि	27/06/2069

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/06/2069		27/06/2076		27/06/2096		28/06/2102		28/06/2112	
27/06/2076		27/06/2096		28/06/2102		28/06/2112		00/00/0000	
केतु	23/11/2069	शुक्र	27/10/2079	सूर्य	15/10/2096	चंद्र	29/04/2103	मंगल	24/11/2112
शुक्र	23/01/2071	सूर्य	27/10/2080	चंद्र	15/04/2097	मंगल	28/11/2103	राहु	13/12/2113
सूर्य	31/05/2071	चंद्र	27/06/2082	मंगल	21/08/2097	राहु	29/05/2105	गुरु	18/11/2114
चंद्र	30/12/2071	मंगल	28/08/2083	राहु	16/07/2098	गुरु	28/09/2106	शनि	28/12/2115
मंगल	28/05/2072	राहु	27/08/2086	गुरु	04/05/2099	शनि	28/04/2108	बुध	25/12/2116
राहु	15/06/2073	गुरु	27/04/2089	शनि	16/04/2100	बुध	28/09/2109	केतु	23/05/2117
गुरु	22/05/2074	शनि	27/06/2092	बुध	20/02/2101	केतु	29/04/2110	शुक्र	23/07/2118
शनि	01/07/2075	बुध	28/04/2095	केतु	28/06/2101	शुक्र	28/12/2111	सूर्य	31/07/2118
बुध	27/06/2076	केतु	27/06/2096	शुक्र	28/06/2102	सूर्य	28/06/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 10 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि की विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगी।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचती हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होती हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पति के समक्ष जाती हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पति की सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाती हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाली नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाली प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगी एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकती हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगी। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप पुरुष के प्रति विरोधात्मक रुख आपनाएंगी तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति की महिला हो तथा अपने जीवन में सफल होंगी। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखती रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि की धार्मिक महिला हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकती है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकती हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकती हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।